RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 27 OCTOBER TO 02 NOVEMBER 2021 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 9 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

महंगी हो रही है माचिस लेकिन 2 रुपये वाली डिब्बी में होंगी अधिक तीलियां Page 2

परिजन की मृत्यु के बाद पेन और आधार कार्ड का क्या करना चाहिए Page 3

ऑरा ने इस त्योहारी सीजन में की आकर्षक ऑफर्स की पेशकश Page 7

editoria!

आपूर्ति की कमी और तेल की उच्च मांग के बढ़ते संकेतों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी

आपूर्ति की कमी और तेल की उच्च मांग के बढ़ते संकेतों के बीच, शुरुआती नुकसान से अच्छी तरह से उबरते हुए एमसीएक्स पर कच्चे तेल के फ्यूचर्स 6360 पर 0.78% की तेजी के साथ बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतें कई साल के उच्च स्तर पर हैं, एमसीएक्स की कीमतें जून 2014 में बंद हो गईं, कई देशों ने बिजली की कमी के बीच गैस से तेल की ओर रुख किया। Goldman Sachs (NYSE:GS) के अनुसार, गैस से तेल की ओर जाने से तेल की मांग में 1mbpd की वृद्धि हो सकती है।

ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 0.44 डॉलर या 0.52% बढ़कर 85.61 डॉलर प्रति बैरल पर हैं, हाल ही में एक रिपोर्ट के बावजूद कि रूस के डिप्टी पीएम अलेक्जेंडर नोवाक ने कहा है कि रूस को उम्मीद है कि ओपेक + 4 नवंबर की बैठक में अपना उत्पादन 400,000bpd बढ़ा देगा, जैसा कि पहले सहमति हुई थी। नोवाक, जिन्होंने कथित तौर पर कहा था, 'मांग (तेल के लिए) घट सकती है क्योंकि अभी भी अनिश्चितता है। हम यह भी देखते हैं कि दुनिया भर में एक और महामारी फैल रही है,' उन्होंने कहा कि अगले साल के अंत तक तेल की मांग पूर्व-महामारी के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। एपीआई डेटा ने मंगलवार को कच्चे तेल की इन्वेंट्री बिल्ड के अपने पांचवें सीधे सप्ताह की सूचना दी। इस हफ्ते, एपीआई ने कच्चे तेल के लिए इन्वेंट्री बिल्ड 2.318mbls होने का अनुमान लगाया। लेकिन कुशिंग की इन्वेंट्री में लगातार गिरावट से थोड़ी हलचल मच रही है। यूएस क्रूड इन्वेंट्री अभी भी 61mbls नीचे है जहां वे वर्ष की शुरुआत में थे। सप्ताह के लिए बाजार की उम्मीदें सप्ताह के लिए 1.650mbl के निर्माण के लिए थीं। एपीआई ने 22 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के लिए 530,000 बैरल के गैसोलीन इन्वेंट्री में निर्माण की सूचना दी - पिछले सप्ताह के 3.5 एमबीएल ड्रॉ की तुलना में।

15 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह के लिए अमेरिकी तेल उत्पादन - ऊर्जा सूचना प्रशासन ने पिछले सप्ताह के लिए डेटा प्रदान किया है - 100,000 बीपीडी से 11.3 मिलियन बीपीडी तक, और अभी भी 13.1 मिलियन बीपीडी के सर्वकालिक उच्च स्तर से 1.8 मिलियन बीपीडी नीचे है। संयुक्त राज्य अमेरिका में महामारी ने जोर पकड़ लिया।

अगर सर्दी ठंडी हो जाती है तो कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल हो सकती है, बाजार के कई खिलाड़ियों ने चेतावनी दी है कि प्राकृतिक गैस की कीमतें मौजूदा स्तरों से दोगुनी हो सकती हैं। बीएमओ कैपिटल मार्केट्स ऑयल एंड गैस ने ब्लूमबर्ग को बताया कि 'हम यहां वास्तव में मौसम के प्रति संवेदनशील स्थिति में हैं, जहां हम प्राकृतिक गैस की कीमतों को वास्तव में देख सकते हैं, यहां तक कि यहां से दोगुना, अगर हमें वास्तव में कुछ ठंडा मौसम मिलता है और हम कच्चे तेल की कीमतों को तोड़ सकते हैं। यूएस $ 100 के माध्यम से।' ओलेनबर्ग ने कहा, 'यहां मूल्य निर्धारण में कुछ महत्वपूर्ण वृद्धि हो सकती है, अगर हमें वास्तव में कुछ ठंडा मौसम जल्दी मिलता है - इसलिए, दिसंबर में।' 'हम यूरोप और एशिया में ठंड के मौसम के बारे में बात कर रहे हैं, वास्तव में यह महत्वपूर्ण है।'

सीएनबीसी के जिम क्रैमर ने कहा - कच्चा तेल अपने चरम पर हो सकता है यदि ऐतिहासिक पैटर्न सही है, तो सीएनबीसी के जिम क्रैमर ने कहा - तेल फ्यूचर्स में क्रूड ओपन इंटरेस्ट, बकाया फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स की कुल संख्या। जब हमने कमर्शियल हेजर्स, या कंपनियों की नेट लॉन्ग या शॉर्ट पोजीशन को देखा, जो कमोडिटीज में फ्यूचर्स पोजीशन लेती हैं, तो कीमतों में लॉक करने के लिए जिस पर वे कच्चा माल खरीदते हैं या उत्पाद बेचते हैं। जब ओपन इंटरेस्ट बढ़ता है लेकिन कमर्शियल हेजर्स अपना भार कम कर रहे होते हैं, तो यह संकेत देता है कि तेल एक शिखर के करीब है। इसका मतलब है कि अधिक अनुबंध खोले जा रहे हैं, लेकिन नए खरीदार शायद उद्योग में शामिल खिलाड़ियों के बजाय सट्टेबाज हैं। यह पैटर्न पूरे 2012 और 2014 में हुआ जब तेल की कीमतें चरम पर थीं - और 2021 में ट्रैक पर दिखाई देती हैं।

रॉयटर्स के जॉन केम्प ने अपने साप्ताहिक फंड-खरीद कॉलम में बताया कि हेज फंड ने पिछले आठ हफ्तों में से सात से अधिक तेल और तेल उत्पाद फ्यूचर्स खरीदे। केम्प द्वारा उद्धृत आंकड़ों से पता चलता है कि हेज फंड, जो तेल फ्यूचर्स के बड़े खरीदार हैं, किसी भी बिंदु पर बाजार की भावना के लिए एक वेदरवेन के रूप में सेवा करते हुए, इस अवधि में 188 मिलियन बैरल के बराबर खरीदा। केम्प ने यह भी कहा कि शायद और भी अधिक बता रहा है कि हेज फंड ने तेल पर अपनी तेजी की स्थिति को 11 मिलियन बैरल तक बढ़ा दिया है, जबकि नई मंदी की स्थिति केवल 1 मिलियन बैरल पर आई है। इसका मतलब यह है कि निवेश बैंकों जैसे फंड किस्म के बाजार के अधिकांश खिलाड़ी अभी भी अधिक कीमतों की उम्मीद करते हैं।

ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 2022 में 110 डॉलर तक पहुंच सकती है - गोल्डमैन सैक्स ने कहा कि तेल की कीमतें ब्रेंट क्रूड के 90 डॉलर प्रति बैरल के अपने वर्ष के अंत के अनुमान से अधिक हो सकती हैं। बैंक को उम्मीद है कि कच्चे तेल की मांग जल्द ही लगभग 100 मिलियन बीपीडी के पूर्व-महामारी के स्तर तक पहुंच जाएगी, क्योंकि एशिया में आर्थिक गतिविधि में सुधार जारी है। क्या अधिक है, बिजली संयंत्रों में गैस से तेल में स्विच द्वारा मांग को अतिरिक्त रूप से बढ़ाया जा सकता है, गोल्डमैन ने कहा, इस वृद्धि का अनुमान लगभग 1 मिलियन बीपीडी है। सऊदी ऊर्जा मंत्री अब्दुलअज़ीज़ बिन सलमान बिजली उत्पादन क्षेत्र में देखते हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में, उन्होंने ब्लूमबर्ग को एक साक्षात्कार में बताया कि गैस से तेल में स्विच नगण्य दरों पर हो रहा है, जो ओपेक ३ सदस्यों के बीच निरंतर अनुशासन को प्रेरित करता है और बाजारों में अधिक तेल बैरल की वापसी के साथ। अनुशासित दृष्टिकोण पर इस आग्रह ने इस सप्ताह तेल की कीमतों को और अधिक बढ़ाने में मदद की क्योंकि बिन सलमान ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया कि ओपेक + की कीमतों पर लगाम लगाने के लिए बाजार में अधिक उत्पादन लाने के लिए कॉल का जवाब देने की कोई योजना नहीं है।

पेट्रोल-डीजल फिर हुआ महंगा, कच्चा तेल 86 डॉलर के पार

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी के कारण दो दिनों की स्थिरता के बाद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिर इजाफा हुआ है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल के दाम में 35 पैसे प्रति लीटर और डीजल के भाव में 37 पैसे प्रति लीटर तक बढ़ा दिया है। इस बढ़ोतरी के साथ ही राजधानी दिल्ली में बुधवार को पेट्रोल 107.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक देश के अन्य महानगरों मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में पेट्रोल की कीमत बढ़कर क्रमशः 113.80 रुपये, 104.83 रुपये और 108.46 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं, डीजल का उछलकर क्रमशः 104.75 रुपये, 100.92 रुपये और 99.78 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। कच्चे तेल की कीमत में इजाफे की वजह से घरेलू बाजार में एक महीने के अंदर पेट्रोल 6.75 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका है, जबकि डीजल भी 8.05 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हुआ है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उछाल की वजह से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल का बाजार प्रभावित हुआ है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सप्लाई और मांग में अंतर की वजह से मंगलवार को कच्चे तेल की कीमत 2014 के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। ब्रेंट क्रूड 0.5 फीसदी तेजी के साथ 86.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.1 फीसदी तेजी के साथ 84.65 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.492 अरब डॉलर बढ़कर 641 अरब डॉलर

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 1.492 अरब डॉलर बढ़कर 641.008 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को अपने ताजा आंकड़ों में यह जानकारी दी। इससे पिछले आठ अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशीमुद्रा भंडार 2.039 अरब डॉलर बढ़कर 639.516 अरब डॉलर हो गया था। इससे पूर्व तीन सितंबर 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशीमुद्रा भंडार 642.453 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 15 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह वृद्धि मुख्य रूप से

विदेशीमुद्रा आस्तियों (एफसीए) के बढ़ने की वजह से हुई जो कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में भारत की विदेशीमुद्रा आस्तियां (एफसीए) 95 करोड़ डॉलर बढ़कर 577.951 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में बताई जाने वाली विदेशी मुद्रा संपत्ति में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण आरक्षित भंडार 55.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 38.579 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आईएमएफ में देश का विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.1 करोड़ डॉलर घटकर 19.247 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में देश का आरक्षित विदेशीमुद्रा भंडार 60 लाख डॉलर बढ़कर 5.231 अरब डॉलर हो गया।

महंगी हो रही है माचिस लेकिन 2 रुपये वाली डिब्बी में होंगी अधिक तीलियां

नई दिल्ली। एजेंसी

कच्चे माल की कीमत में वृद्धि के साथ उत्पादन लागत बढ़ने की वजह से एक दिसंबर से माचिस की डिब्बी की कीमत मौजूदा एक रुपये के बजाय अब दो रुपये होगी। संबंधित उद्योग संगठन ने रविवार को यह जानकारी दी। नेशनल स्मॉल मैचबॉक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के सचिव वी एस सेतुरतिनम ने कहा कि प्रस्तावित मूल्यवृद्धि 14 साल के अंतराल के बाद हो रही है। माचिस तो महंगी हो रही है, लेकिन अच्छी बात ये है कि आप पर दोगुना बोझ नहीं पड़ेगा, क्योंकि डिब्बी में तीलियों की संख्या बढ़ाई जा रही है।

बढ जाएगी तीलियां

उपभोक्ताओं को अब माचिस के एक डिब्बे में ज्यादा तीलियां मिलेंगी। पहले डिब्बे में 36 तीलियां होती थीं और अब इनकी संख्या 50 होगी। सेतुरतिनम ने कहा कि कच्चे माल की कीमत में वृद्धि हुई है जिससे उत्पादन की लागत में उछाल आया है और इस वजह से 'हमारे पास बिक्री (एमआरपी या अधिकतम खुदरा मूल्य) मूल्य बढ़ाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि भी एक कारक है। इससे परिवहन लागत में वृद्धि हुई है।' उन्होंने कहा कि एक दिसंबर से माचिस के डिब्बी की कीमत मौजूदा एक रुपये से बढ़ाकर दो रुपये (एमआरपी) कर दी जाएगी।

अभी 270-300 रुपये में बिक रहा है 600 माचिस का बंडल

शनल स्मॉल मैचबॉक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के सचिव वीएस सेथुरथिनम ने बताया कि निर्माता 600 माचिस का एक बंडल 270 रुपये से लेकर 300 रुपये तक में बेच रहे हैं। यह भी बताया कि उन्होंने अपनी इकाइयों से बिक्री मूल्य 60इ बढ़ाकर 430-480 रुपये प्रति बंडल करने का फैसला किया है। इसमें 12इ जीएसटी और परिवहन की लागत शामिल नहीं है।तमिलनाडु में 4 लाख लोग जुड़े हैं इस इंडस्ट्री से

14 सालों में और क्या-क्या हुआ कितना महंगा?

पिछले 14 सालों में हर चीज महंगी हो गई, लेकिन माचिस की डिबिया का दाम 1 रुपये ही रहा। आखिरकार अब माचिस की वह छोटी सी डिब्बी भी महंगी होने जा रही है। 14 साल पहले यानी 2007 में माचिस की डिब्बी की कीमत 50 पैसे से बढ़ाकर 1 रुपये की गई थी। अब 14 साल के बाद माचिस की डिब्बी की कीमत बढ़ाने का फैसला किया गया है और दिसंबर से माचिस की डिब्बी 2 रुपये की हो जाएगी। तर्क दिया जा रहा है कि कच्चे माल की बढ़ती कीमतों की वजह से माचिस के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। ऐसे में आपके मन में एक ये सवाल भी उठ रहा होगा कि आखिर इतने सालों में क्या कितना महंगा हो गया। आइए डालते हैं कुछ खास चीजों पर नजर।

डीजल-पेट्रोल हुए ढाई से तीन गुना महंगे

अक्टूबर 2007 में डीजल की कीमत दिल्ली में करीब 30.48 रुपये थी, जो आज 95.97 रुपये हो चुकी है। यानी पिछले 14 सालों में डीजल की कीमत तीन गुना से भी अधिक बढ़ चुकी है। अक्टूबर 2007 में दिल्ली में पेट्रोल की कीमत लगभग 43.52 रुपये थी, जो अब 107.24 रुपये हो गई है। यानी पिछले 14 सालों में पेट्रोल की कीमत ढाई गुना से भी अधिक बढ़ गई है।

एलपीजी भी हुई तीन गुना से अधिक मंहगी

अगर बात करें घरेलू गैस सिलेंडर की तो 14 साल पहले अक्टूबर 2007 में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत करीब 281.60 रुपये थी, जो अब 899.50 रुपये हो चुकी है। इस तरह पिछले 14 सालों में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत भी तीन गुना से अधिक हो चुकी है। वैसे एलपीजी सिलेंडर की कीमतें पिछले 1 साल में काफी तेजी से बढ़ी हैं, जिससे आम आदमी पर बड़ी मार पड़ रही है।

सरसों का तेल हुआ चार गुना महंगा

अक्टूबर 2007 में सरसों के तेल की कीमत 50 रुपये के करीब थी। अभी सरसों के तेल की कीमत 200 रुपये प्रति लीटर के करीब है। यानी सरसों का तेल 14 सालों में चार गुना महंगा हो चुका है। वैसे तो पिछले सालों में बाकी खाने के तेल भी महंगे हुए हैं, लेकिन अधिकतर घरों में सरसों का तेल खाना बनाने के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए यहां पर सरसों के तेल का ही उदाहरण लिया गया है।

दोगुना से अधिक महंगा हुआ दूध

पिछले 14 सालों में अमूल और मदर डेयरी के फुल क्रीम दूध की कीमत ढाई गुने से भी अधिक बढ़ चुकी है। 14 साल पहले अक्टूबर 2007 में अमूल और मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध 22 रुपये प्रति लीटर बिकता था। मौजूदा समय में मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध 57 रुपये और अमूल का फुल क्रीम दूध 58 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। बाकी कंपनियों के दूध और यहां तक बाजार में बिकने वाले खुले दूध की कीमत भी बढ़ी है।

दीपावली पर फिर बढ़ सकते हैं LPG के दाम

बिगड़ने वाला है रसोई का बजट

नई दिल्ली। एजेंसी

रसोई गैस सिलेंडर के दाम अगले सप्ताह बढ़ सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस बीच, दो दिन के अंतराल के बाद बुधवार को वाहन ईंधन कीमतों में फिर बढ़ोतरी हुई। पेट्रोल (झ्रूदत) और डीजल (अ्गोत) दोनों के दाम 35-35 पैसे प्रति लीटर और बढ़ गए हैं। सूत्रों ने बताया कि एलपीजी के मामले में लागत से कम मूल्य पर बिक्री से होने वाला नुकसान (अंडररिकवरी) 100 रुपये प्रति सिलेंडर पर पहुंच चुका है। इस वजह से इसकी कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि रसोई गैस सिलेंडर का दाम कितना बढ़ेगा, यह सरकार की अनुमति पर निर्भर करेगा। इससे पहले छह अक्टूबर को रसोई गैस सिलेंडर के दाम 15 रुपये बढ़ाए गए थे। जुलाई से 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर का दाम 90 रुपये बढ़ चुका है।

पेट्रोलियम कंपनियों को अभी सरकार से कोई राहत नहीं

मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों को खुदरा दाम, लागत के अनुरूप करने की अनुमति नहीं दी गई है। इसके अलावा इस अंतर को पाटने के लिए अभी तक सरकार की ओर से कोई सब्सिडी भी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी के बीच एलपीजी की बिक्री पर नुकसान 100 रुपये प्रति सिलेंडर पर पहुंच गया है।

सऊदी अरब में 800 डॉलर प्रति टन हो गई एलपीजी की दर

जहां सऊदी अरब में एलपीजी की दर इस महीने 60 प्रतिशत के उछाल के साथ 800 डॉलर प्रति टन हो गई है, वहीं अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 85.42 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुका है। एक अन्य सूत्र ने कहा, ''एलपीजी अभी नियंत्रित जिंस है। ऐसे में तकनीकी रूप से सरकार इसके खुदरा दाम का नियमन कर सकती है। लेकिन ऐसा करने पर सरकार को पेट्रोलियम कंपनियों को लागत से कम मूल्य पर बिक्री के नुकसान को पूरा करना होगा।''

दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में सब्सिडी वाले सिलेंडर का दाम

इस समय दिल्ली और मुंबई में रसोई गैस सिलेंडर का दाम 899.50 रुपये है। वहीं कोलकाता में यह 926 रुपये है। देश में पात्र परिवारों को इन्हीं दरों पर सब्सिडी वाला रसोई गैस सिलेंडर मिलता है। एक साल में उन्हें 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी वाली दरों पर मिलते हैं।

दिल्ली, मुंबई में पेट्रोल-डीजल की कीमत

इस बीच, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बुधवार को 35-35 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई। इससे पहले दो दिन तक वाहन ईंधन के दाम नहीं बढ़ाए गए थे। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में अब पेट्रोल 107.94 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं मुंबई में यह 113.80 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह दिल्ली में डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में 104.75 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

28 सितंबर से अब तक कितना महंगा हो चुका है पेट्रोल

देश के सभी प्रमुख शहरों में पेट्रोल पहले ही शतक लगा चुका है। वहीं डेढ़ दर्जन से ज्यादा राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में डीजल 100 रुपये प्रति लीटर के पार निकल गया है। पेट्रोलियम कंपनियों ने 28 सितंबर से पेट्रोल कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला फिर शुरू किया था। इससे पहले तीन सप्ताह तक इस वाहन ईंधन के दाम नहीं बढ़ाए गए थे। उसके बाद से 22 बार में पेट्रोल के दाम 6.75 रुपये प्रति लीटर बढ़े हैं। वहीं 24 सितंबर से 24 बार में डीजल के दाम 8.05 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं।

भारत जलवायु प्रौद्योगिकी निवेश के मामले में दुनिया के शीर्ष 10 देशों में शामिलः रिपोर्ट

लंदन। एजेंसी

भारत पिछले पांच वर्षों में जलवायु प्रौद्योगिकी निवेश के मामले में शीर्ष 10 देशों की सूची में नौवें स्थान पर है। भारतीय जलवायु प्रौद्योगिकी कंपनियों ने 2016 से 2021 तक उद्यम पूंजी (वीसी) निवेश के रूप में एक अरब डॉलर प्राप्त किए हैं। मंगलवार को लंदन में जारी एक नयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।''लंदन एंड पार्टनर्स और डीलरूम.सीओ'' द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट 'पांच सालः पेरिस समझौते के बाद से वैश्विक जलवायु प्रौद्योगिकी निवेश के रुझान', में पेरिस में पिछले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी) के बाद और अगले हफ्ते ग्लासगो में आयोजित होने वाले सीओपी26 शिखर सम्मेलन से पहले इस क्षेत्र के रुझानों का विश्लेषण किया गया है। विश्लेषण में यह पाया गया कि वैश्विक स्तर पर जलवायु प्रौद्योगिकी कंपनियों में उद्यम पूंजी निवेश पेरिस समझौते के बाद से काफी बढ़ा है, जिसमें अमेरिका और चीन 2016 और 2021 के बीच क्रमशः 48 अरब डॉलर और 18.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ शीर्ष 10 देशों में सबसे आगे हैं। स्वीडन 5.8 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर जबकि 4.3 अरब डॉलर के साथ ब्रिटेन चौथे नंबर पर है। लंदन की व्यापार वृद्धि एजेंसी - लंदन एंड पार्टनर्स के भारत के निदेशक हेमिन भरुचा ने कहा, ''दुनिया भर के देशों को एक साथ काम करने की जरूरत है ताकि हम सामूहिक रूप से व्यावसायिक प्रथाओं को बदल सकें और शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए प्रतिबद्ध हो सकें।''

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे टूटा

मुंबई। एजेंसी

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती के चलते भारतीय रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले छह पैसे टूटकर 75.02 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे गिरकर 75.02 पर खुला। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 74.96 पर बंद हुआ था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 93.88 पर आ गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 85.98 डॉलर प्रति बैरल पर था।

कतर से एलएनजी आयात अनुबंध के नवीकरण पर पुराने कार्गो की आपूर्ति की 'शर्त' रखेगा भारत

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट के बीच कतर के साथ अरबों डॉलर के एलएनजी आयात अनुबंध के नवीकरण के लिए बातचीत के दौरान भारत पुराने कार्गो की आपूर्ति की मांग रखेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पेट्रोनेट एलएनजी का कतरगैस के साथ 75 लाख टन का सालाना तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात करार 2028 में पूरा हो रहा है। इसके नवीकरण की पुष्टि पांच साल पहले करनी होगी। पेट्रोनेट के निदेशक (वित्त) वी के मिश्रा ने कहा कि नवीकरण पर बातचीत 2022 में शुरू होगी। उस समय कतरगैस के सामने 2015 के 50 एलएनजी कार्गो की आपूर्ति की शर्त रखी जाएगी। भारत ने 2015 में इन 50 कार्गो की आपूर्ति नहीं ली थी और उसने कतर से दीर्घावधि के अनुबंध के मूल्य के लिए नए सिरे से बातचीत शुरू की थी। कतर ने उस समय इस शर्त के साथ कीमतों के फॉर्मूला में संशोधन की अनुमति

दी थी कि भारत उससे सालाना आधार पर 10 लाख टन एलएनजी और खरीदेगा।

जहां तक इस कार्गो का सवाल है, तो भारत अनुबंध की अवधि तक इसका कभी भी उठाव कर सकता है। यह अनुबंध 2028 में समाप्त होना है। यदि कतर इस आग्रह को पूरा नहीं कर पाता है, तो इस कार्गो की आपूर्ति 2029 में की जा सकती है। मिश्रा ने कहा, "हमने कतर से इन 50 कार्गो की आपूर्ति अगले साल करने को कहा है। अभी तक उन्होंने हमारे आग्रह का जवाब नहीं दिया है।" उन्होंने कहा कि नवीकरण के लिए बातचीत शुरू होने पर इस मांग को रखा जा सकता है। छह अक्टूबर को एशिया में हाजिर एलएनजी का दाम रिकॉर्ड 56.33 डॉलर एमएमबीटीयू यानी प्रति इकाई पर पहुंच गया है। इस तरह एक मानक कार्गो का मूल्य 19 करोड़ डॉलर बैठेगा। कतर के साथ अपने तेल-संबद्ध अनुबंध के तहत पेट्रोनेट 11 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू का भुगतान करती है। पेट्रोनेट की प्रवर्तकों में चार सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां....इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल), गेल (इंडिया) लि. और ओएनजीसी शामिल हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सचिव कंपनी के चेयरमैन हैं।

प्रमुख तेल उत्पादक सऊदी अरब ने 2060 तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन "शून्य" करने का लक्ष्य रखा

दुबई। एजेंसी

दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में से एक सउदी अरब ने मानव जनित जलवायु परिवर्तन को कम करने की 100 से अधिक देशों की वैश्विक पहल में शामिल होते हुए शनिवार को घोषणा की कि उसने 2060 तक हरित (ग्रीन हाउस) गैसों का उत्सर्जन "शून्य" तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने देश के पहले 'सऊदी ग्रीन इनिशिएटिव फोरम' की शुरुआत में संक्षिप्त लिखित टिप्पणी में यह घोषणा की, जो ग्लासगो, स्कॉटलैंड में आयोजित होने जा रहे वैश्विक 'कॉप26' जलवायु सम्मेलन के आरंभ होने से करीब एक सप्ताह पहले की गई है।

प्रिंस मोहम्मद ने कहा कि सऊदी अरब उत्सर्जन को कम करने का लक्ष्य रखेगा और वह तथाकथित "कार्बन सर्कुलर इकोनॉमी" दृष्टिकोण के माध्यम से ऐसा करेगा। सर्कुलर कार्बन इकोनॉमी एक ऐसी

प्रणाली है जहां कार्बन का उत्सर्जन कम किया जाता है, उसे पुनःउपयोग में लाया जाता है, पुनर्चक्रण किया जाता है और उसे यथासंभव हटाया जाता है।यह दृष्टिकोण वास्तव में जीवाश्म ईंधन पर वैश्विक निर्भरता को कम करने के प्रयासों पर अब तक अविश्वसनीय रहे कार्बन कैप्चर और भंडारण प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है। कार्बन कैप्चर और भंडारण प्रौद्योगिकी कार्बन डाइऑक्साइड को वायुमंडल में छोड़ने से पहले ही रोक लेने और भूगर्भ में इकट्ठा करने की प्रक्रिया है। घोषणा सऊदी अरब की अपनी राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर प्रयासों से संबंधित है और यह तेल के क्षेत्र में उसके निरंतर आक्रामक निवेश और एशिया और अन्य क्षेत्रों में जीवाश्म ईंधन के निर्यात को प्रभावित नहीं करती है।सऊदी ग्रीन इनिशिएटिव फोरम द्वारा जारी बयान के अनुसार, "शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य पाने के लिए इस तरह से वितरण किया जाएगा जो विशेष रूप से परिपक्वता और उत्सर्जन को प्रबंधित करने और कम करने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता पर विचार करते हुए वैश्विक ऊर्जा बाजारों की सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ाने में देश की अग्रणी भूमिका को संरक्षित करता है।"राजस्व के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने के बावजूद सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था तेल एवं गैस निर्यातों पर टिकी है। 31 अक्टूबर से शुरू होने वाले वैश्विक शिखर सम्मेलन 'कॉप26' में ग्लोबल वार्मिंग और इसकी चुनौतियों से निपटने के लिए दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष शामिल होंगे। ग्लोबल वार्मिंग को खतरनाक स्तर तक पहुंचने से रोकने के लिए इसे "दुनिया का आखिरी सबसे अच्छा मौका' बताया जा रहा है। शिखर सम्मेलन में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए सरकारों और व्यवसायों से नई प्रतिबद्धताओं को पेश करने की उम्मीद है।

टाटा पावर के ईवी चार्जिंग स्टेशनों की संख्या 1,000 के पार

नयी दिल्ली। एजेंसी

देशभर में टाटा पावर के इलेक्ट्रक वाहन चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क 1,000 के आंकड़े को पार कर गया है। कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बयान में कहा कि 1,000 सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क टाटा पावर के उपभोक्ताओं को कार्यालयों, मॉल, होटल, खुदरा दुकानों और अन्य स्थानों पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने की सुविधा देता है। कंपनी ने कहा कि इसके अलावा उसके करीब 10,000 होम ईवी चार्जिंग पॉइंट हैं, जिससे वाहन मालिक सुगमता से अपना वाहन चार्ज कर सकते हैं। टाटा पावर के पहला चार्जर मुंबई में लगाया गया था। अब टाटा पावर के ईवी चार्जिंग पॉइंट करीब 180 शहरों में उपलब्ध हैं।

भारत कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए 23 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा: बोफा सिक्योरिटीज

मुंबई। एजेंसी

भारत कार्बन उत्सर्जन को घटाने के लिए वर्ष 2030 तक 316 अरब डॉलर (करीब 23 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगा। कुल निवेश रकम की ज्यादातर राशि नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर खर्च की जायेगी। ब्रोकरेज कंपनी बोफा सिक्योरिटीज ने बुधवार को यह बात कही। बोफा सिक्योरिटीज ने कहा कि यह निवेश पहले से अनुमानित छह लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगा, जिसे भारत 2015 में पेरिस जलवायु समझौते में शामिल होने के बाद से खर्च कर चुका है। जलवायु परिवर्तन पर ग्लासगो शिखर सम्मेलन से पहले बात करते हुए कंपनी के अनुसंधान प्रमुख अमिश शाह ने कहा कि भारत कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने वाले सबसे सक्रिय देशों में से एक रहा है। उन्होंने कहा कि कार्बन तटस्थता प्राप्त करने की समयसीमा की फिलहाल घोषणा न करके भारत ने सही किया है। दुनिया की अन्य सभी प्रमुख देशों ने भी यही किया है। एक अनुमान के अनुसार कार्बन उत्सर्जन घटाने के प्रयासों से भारत को वर्ष 2015 से 2030 के बीच 106,000 मेगावॉट से अधिक ऊर्जा बचाने में मदद मिलेगी और 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में 1.1 अरब टन की कटौती होगी।

परिजन की मृत्यु के बाद पेन और आधार कार्ड का क्या करना चाहिए

मुश्किल में फंसने से पहले जान लीजिए नियम

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

पैन कार्ड भारत में अनिवार्य दस्तावेज है। पेन कार्ड, आधार कार्ड हमारी जिंदगी के दो ऐसे अहम डॉक्यूमेंट्स हैं, जिनके बिना आप कोई काम नहीं कर सकते। बैंक में एक छोटा सा खाता खोलने से लेकर बड़े से बड़ा कारोबार खड़ा करने के लिए इन दो डॉक्यूमेंट्स की जरूरत होती है। जीते जी इन डॉक्युमेंट्स की जरूरत पड़ती तो पड़ती ही है, मरने के बाद भी इनका इससे जुड़ी फॉमैलिटी बहुत जरूरी है। आपने कभी सोचा है कि किसी की मृत्यु के बाद PAN और आधार कार्ड का क्या होता है।बताते हैं कि किसी की मृत्यु के बाद उसके आधार काड. 'पेन कार्ड जैसे जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ करना चाहिए।

मृत्यु के बाद PAN कार्ड का क्या करें

बैंक अकाउंट, डीमैट अकाउंट और इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने के लिए पैन कार्ड सबसे जरूरी डॉक्यूमेंट है। इसलिए इस तरह के सभी अकाउंट्स जहां पैन कार्ड की अनिवार्य रूप से जरूरत पड़ती है, तब तक संभालकर रखना चाहिए जबतक ये पूरी तरह से बंद नहीं हो जाते। जैसे- अगर आईटीआर दाखिल करते समय पैन कार्ड तब तक रखना चाहिए जब तक इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने से लेकर घ्ऊ डिपार्टमेंट की प्रक्रिया पूरी न हो जाए।

PAN कार्ड सरेंडर से पहले जरूरी बात

याद रहे कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के पास ये अधिकार होता है कि वो चार साल के असेसमेंट को दोबाारा खोल सकता है। ऐसे में अगर मृतक को कोई भी टैक्स रिफंड बकाया है तो इस बात को सुनिश्चित कर लें कि वो उसके खाते में क्रेडिट हो गया हो यानी खाते में रिफंड आ गया हो। एक बार खातों को बंद करने, आयकर रिटर्न वगैरह से जुड़े मामले निपट जाएं तो उसके कानूनी उत्तराधिकारी मृतक व्यक्ति के पैन को आयकर विभाग को सौंप सकते हैं। सरेंडर करने से पहले मृतक के सभी खाते किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर ट्रांसफर करा देना चाहिए या बंद कर देना चाहिए।

पेन कार्ड को सरेंडर कैसे करें?

पेन कार्ड को सरेंडर करने के लिए मृतक के प्रतिनिधि या उसके कानूनी उत्तराधिकारी को उस असेसमेंट ऑफिसर को एक एप्लीकेशन लिखना होगा, जिसके अधिकार क्षेत्र में पैन कार्ड रजिस्टर्ड है। एप्लीकेशन में इस बात का जिक्र होना चाहिए कि पैन कार्ड क्यों सरेंडर किया जा रहा है, उसमें नाम, पैन नंबर, मृतक की जन्मतिथि और मृतक के डेथ सर्टिफिकेट की कॉपी भी अटैच होना चाहिए। हालांकि मृतक के पैन कार्ड को सरेंडर करना अनिवार्य नहीं है, अगर आपको ये लगता है कि भविष्य में आपको इसकी कभी भी जरूरत पड़ सकती है।

मृत्यु के बाद Aadhaar कार्ड का क्या करें

आधार कार्ड एक पहचान पत्र और एड्रेस प्रूफ के तौर पर जरूरी डॉक्यूमेंट है। LPG गैस सब्सिडी, स्कॉरशिप बेनेफिट्स और दूसरी तमाम सरकारी स्कीम का फायदा लेने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य होता है। आधार एक यूनीक नंबर होता है, इसलिए मृत्यु के बाद भी ये नंबर मौजूद रहता है, किसी और को ये नहीं दिया जा सकता। मृत्यु के बाद आधार का क्या होता है, क्या उसे नष्ट या डीएक्टिवेट किया जा सकता है, इस सवाल के

जवाब में सरकार ने खुद संसद में बताया है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसका आधार डिएक्टिवेट नहीं होता, क्योंकि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। यानी फिलहाल किसी मृत व्यक्ति के आधार नंबर को कैंसिल करने की कोई व्यवस्था नहीं है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 में संशोधन के मसौदे पर ळघ्ऊँ से सुझाव मांगे थे। ताकि मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करते समय मृतक का आधार लिया जा सके।

आधार को डेथ सर्टिफिकेट से करें लिंक

वर्तमान में, जन्म और मृत्यु के रजिस्ट्रार जन्म और मृत्यु के आंकड़ों के कस्टोडियन या संरक्षक हैं। आधार को डिएक्टिवेट करने के लिए रजिस्ट्रार से मृत व्यक्तियों का आधार नंबर लेने का अभी कोई मैकेनिज्म नहीं है। लेकिन एक बार इन संस्थाओं के बीच आधार नंबर शेयर करने का फ्रेमवर्क तैयार होने के बाद रजिस्ट्रार मृतक के आधार नंबर को निष्क्रिय करने के लिए ळघ्ऊँ के साथ शेयर करना शुरू कर देंगे। आधार को डीएक्टिवेट करने या फिर इसके डेथ सर्टिफिकेट से लिंक करने से आधार मालिक की मृत्यु के बाद इसका गलत इस्तेमाल नहीं हो सकेगा।

दिल्ली की सड़कों पर दौड़ेगी लंदन की टैक्सी

एलईवीसी कंपनी लॉन्च करेगी TX मॉडल

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

हो सकता है कि अगले कुछ महीनों में जब आप दिल्ली की सड़कों पर निकलें और आपको

अपने सामने से लंदन टैक्सी गुजरती हुई दिखाई दे। जी हां, लंदन टैक्सी यानी वही ब्लैक कार जिसे ब्रिटेन के कई शहरों में बतौर टैक्सी चलाया जाता है।

लंदन ईवी कंपनी (LEVC) ने भारतीय राजधानी दिल्ली में इलेक्ट्रिक रूप में इस कार को लॉन्च करने की तैयारियां पूरी कर ली हैं। भारत में इसे टीएक्स नाम से पेश किया जाएगा। गाड़ी के डिजाइन में कोई बदलाव नहीं किया गया है, यानी यह लंदन टैक्सी जैसी ही दिखेगी, लेकिन पेट्रोल, डीजल या गैस से नहीं बल्कि बैटरी से चलेगी।

कंपनी भारत में तेजी से बढ़ रहे इलेक्ट्रिक कारों के बाजार के बीच अपनी भी उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है। टीएक्स शून्य प्रदूषण उत्सर्जन कार है और इसमें रेंज एक्सटेंडर भी लगाया गया है। कंपनी का दावा है कि दो अलग-अलग मोड के आधार पर यह कार फुल चार्ज बैटरी के साथ 101 किलोमीटर और 500 किलोमीटर तक चल सकेगी। रेंज एक्सटेंडर की मदद से इसे 500 किलोमीटर तक चलाया जा सकेगा।

टीएक्स कार छह सीटर होगी और दिव्यांगों के लिए इसमें खास तौर पर सुविधा दी गई है। आवश्यकता पड़ने पर इस कार की सिटिंग व्यवस्था को ड्राइवर से पूरी तरह अलग किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि लंदन टैक्सी बनाने वाली इस कंपनी की स्थापना 1908 में की गई थी। शुरुआत में कंपनी द्वारा बनाई गई कैब्स को लंदन शहर में बतौर टैक्सी चलाया जाता था। बाद के सालों में इसे दूसरे शहरों तक बढ़ाया गया। 2018 में बदलते समय की मांग के अनुरूप कंपनी ने टीएक्स नाम से इलेक्ट्रिक कैब को ब्रिटेन के बाजार में उतारा था।

दीपावली मुहूर्त ट्रेडिंग के समय मिलेगा पैसा कमाने का मौका

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

दिपावली के दिन 4 नवंबर को मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन के लिए स्टॉक एक्सचेंज एक घंटे के लिए खुलेंगे। BSE और NSE निवेशकों को दिवाली पर शाम 6:15 बजे से शाम 7:15 बजे तक स्टॉक खरीदने और बेचने की अनुमति होगी। मुहूर्त ट्रेडिंग हर साल दिवाली के दिन एक घंटे के लिए की जाती है। ब्रोकिंग समुदाय इस समय लक्ष्मी पूजा और ट्रेडिंग करता है। मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन में सामान्य ट्रेडिंग से पहले एक ब्लॉक डील का सेशन होता है। इसके बाद एक क्लोजिंग सेंशन होता है। पिछले साल BSE सेंसेक्स 145 अंक की बढ़त के साथ उस समय अपने उच्चतम स्तर पर बंद हुआ था। जबकि, NSE का निफ्टी 50, 12800 से नीचे बंद हुआ था।

कब होगी मुहूर्त ट्रेडिंग

NSE के नोटिफिकेशन के मुताबिक ब्लॉक डील सेशन 4 नवंबर को शाम 5:45 बजे शुरू होगा और शाम 6 बजे बंद होगा। इसके बाद शाम 6 बजे से शाम 6:08 बजे के बीच प्री-ओपन सेशन होगा। सामान्य शेयर बाजार शाम

6:15 बजे से शाम 7:15 बजे तक खुला रहेगा, इसके बाद कॉल ऑक्शन इलिक्विड सेशन और क्लोजिंग सेशन होगा। इस दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन में किये गये सभी ट्रेड का सेटलमेंट होगा।

मुहूर्त ट्रेडिंग क्यों की जाती है?

मुहूर्त व्यापार एक विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह एक नए साल या संवत की शुरुआत का प्रतीक है। निवेशकों का मानना है कि मुहूर्त ट्रेडिंग आने वाले साल में धन और समृद्धि लाता है। यह प्रेक्टिस 1957 में पर और 1992 में NSE पर शुरू की गई थी। मुहूर्त ट्रेडिंग पर बाजार की हालिया कारोबारी सेशन को देखते हुए इस बार भी सेंसेक्स और निफ्टी के उच्च स्तर पर कारोबार करने की उम्मीद है। यह मुहूर्त ट्रेडिंग संवत 2078 की शुरुआत को चिह्नित करेगा।

सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़ी प्रोत्साहन नीति बना रही है सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के साथ ही वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक चिप कंपनियों को देश में आकर्षित करने के लिए सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़ी प्रोत्साहन नीति लाने की योजना बना रही है। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। क्वालकॉम, इंटेल, मीडियाटेक, इंफिनियॉन और टेक्सस इंस्ट्रूमेंट्स जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियों के भारत में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) केंद्र हैं, जो उनके चिप के विकास में योगदान करते हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''सरकार सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़ी एक नई प्रोत्साहन

योजना पर विचार कर रही है, जिसमें भारतीय सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप के लिए वित्तीय और बुनियादी ढांचा सहायता देने की बात है। जब ये स्टार्टअप चिप का उत्पादन और बाजार में बिक्री शुरू करेंगे, तो उन्हें अपने शुद्ध बिक्री कारोबार पर योजना के तहत अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा।'' इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पिछले हफ्ते कहा था कि सरकार इस खंड में भारत के नीति के मसौदे पर चर्चा करने के लिए नवंबर में सेमीकंडक्टर कंपनियों का एक सम्मेलन आयोजित करेगी। उद्योग संगठन इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के चेयरमैन राजीव खुशु ने कहा कि यह एक बड़ी पहल है, जो सेमीकंडक्टर डिजाइन के क्षेत्र में भारत की ताकत से लाभान्वित होगी।

चीन में एक बार फिर कोरोना वायरस मंगोलिया से सटे इलाकों में लॉकडाउन

एजेंसी

क्या एक बार फिर कोरोना वायरस पूरी क्षमता के साथ वापसी कर रहा है, आखिर वो कौन सी वजह है जिससे चीन डरा हुआ है। कोरोना वायरस पर चीन नियंत्रण का दावा करता रहा है लेकिन जिस तरह से चीन और मंगोलिया से सटे इलाकों में कोरोना ने पांव पसारे हैं उसके बाद उन इलाकों में लॉकडाउन लगाया गया है और लोगों से अपील की गई है वो घरों से बाहर ना निकलें। लॉकडाउन लगाने का फैसला अल्क्सा लेफ्ट बैनर में कथित तौर पर पिछले एक सप्ताह में चीन में रिपोर्ट किए गए 150 से अधिक कोविद -19 संक्रमणों में से लगभग एक-तिहाई के लिए जिम्मेदार है। 1.8 लाख की आबादी अल्क्सा लेफ्ट बैनर इलाका मंगोलिया की सीमा के पास है।

अल्क्सा लेफ्ट बैनर इलाके में लॉकडाउन

अल्क्सा लेफ्ट बैनर के प्रशासनिक प्रभाग एजिन बैनर के 35,700 निवासियों को घर पर रहने के लिए कहा गया है। एरेनहॉट शहर में भी इसी तरह के आदेश जारी किए गए हैं।चीनी राज्य प्रसारक सीसीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय सरकार ने आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ दीवानी और आपराधिक मामलों की चेतावनी दी है। राज्य द्वारा संचालित ग्लोबल टाइम्स की एक अन्य रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि इजिन बैनर में एक स्थानीय स्वास्थ्य आयुक्त सहित छह अधिकारियों को मौजूदा प्रकोप को रोकने में नाकाम रहने पर बर्खास्त कर दिया गया है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने चेतावनी दी थी कि उपन्यास कोरोनवायरस संक्रमण का मौजूदा प्रकोप सात दिनों की अवधि में 11 प्रांतों में फैल गया है। चीन में सोमवार को सामने आए संक्रमण के 38 नए मामलों में से आधे इनर मंगोलिया ऑटोनॉमस रीजन में हैं।

चीन ने 2 बिलियन डोज देने का किया है दावा

कोरोना वायरस का प्रकोप रोकने के लिए बीजिंग, गांसु, निंग्ज़िया और गुइझोउ सहित चीन के कुछ हिस्सों में यात्रा प्रतिबंध लगाए गए हैं। चुनिंदा प्रांतों में सभी ट्रेन सेवाओं और यात्राओं को भी अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।एनएचसी के अधिकारी वू लियांगयौ ने बीजिंग में एक ब्रीफिंग में वर्तमान प्रकोप को अत्यधिक पारगम्य डेल्टा संस्करण के लिए जिम्मेदार ठहराया। इस साल की शुरुआत के बाद से चीन में कोविड-19 संक्रमण का यह तीसरा प्रकोप है।चीन में अधिकारियों ने अब स्थानीय प्रसारण के प्रसार को रोकने के लिए संपर्क ट्रेसिंग को तेज कर दिया है।इस साल अगस्त में, चीनी सरकार ने कोविड -19 टीकों की 2 बिलियन खुराक देने का दावा किया था।

मुकेश अंबानी की जियो-बीपी ने खोला पहला पेट्रोल पंप, मिलेंगी कई बड़ी सुविधाएं

मुंबई। एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनर्जी सेक्टर की दिग्गज बीपी ने अपना पहला पेट्रोल पंप खोल लिया है। रिलायंस बीपी मोबिलिटी लि. (आरबीएमएल) का यह पेट्रोल पंप नवी मुंबई के नावड़े में खोला गया है। इस पेट्रोल पंप पर उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन सहित कई ईंधन विकल्प उपलब्ध होंगे। बता दें कि वर्ष 2019 में बीपी ने रिलायंस के स्वामित्व वाले 1,400 से अधिक पेट्रोल पंपों तथा 31 विमान ईंधन (एटीएफ) स्टेशनों में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था। रिलायंस के मौजूदा पेट्रोल पंपों को इस ज्वाइंट वेंचर को स्थानांतरित कर दिया गया था। ज्वाइंट वेंचर की योजना 2025 तक पेट्रोल पंपों की संख्या 5,500 तक पहुंचाने की है। आरबीएमएल में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रिलायंस के पास है। देश के वाहन ईंधन खुदरा क्षेत्र पर सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों का दबदबा है। देश में कुल 78,751 पेट्रोल पंपों में से ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के हैं। आरबीएमएल के 1,427 आउटलेट्स हैं, जबकि रोसनेफ्ट के समर्थन वाली नायरा एनर्जी के 6,250 पेट्रोल पंप हैं। शेल के पेट्रोल पंपों की संख्या 285 है। 1,400 पेट्रोल पंपों के मौजूदा नेटवर्क को नए सिरे से जियो-बीपी के रूप में ब्रांड किया जाएगा।

एएससीआई-फ्यूचरब्रांड्स द्वारा

विज्ञापन में महिलाओं के चित्रण के मामले में जेंडरनेक्स्ट रिपोर्ट जारी

मुम्बई। आईपीटी नेटवर्क

ब्रांड्स और विज्ञापन एजेंसियों को सकारात्मक तरीके से जेंडर संबंधी चित्रण को व्यवस्थित करने में मदद करने के लिए, एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) और फ्यूचरब्रांड्स ने जेंडरनेक्स्ट अध्ययन जारी किया है। यह अध्ययन विज्ञापन में महिलाओं के चित्रण पर एक व्यापक कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टिवाला अध्ययन है। जेंडरनेक्स्ट में पर्सनल केयर, फैशन, सौंदर्य, होम एवं किचन, गैजेट्स एवं व्हील्स, धन और शिक्षा जैसी कई श्रेणियों में चित्रण के पैटर्न शामिल हैं। अध्ययन इस फर्क को भी दर्शाता है कि विज्ञापन महिलाओं को कैसे चित्रित करता है, जबकि महिलाएं खुद को कैसे देखती हैं और कैसी दिखना चाहती हैं।

जेंडरनेक्स्ट की प्रमुख लेखिका लिपिका कुमारन के अनुसार, अध्ययन से पता चलता है कि कुछ सकारात्मक कदम उठाये गए हैं, लेकिन मुख्यधारा के विज्ञापन अब भी अत्यधिक इस्तेमाल किए जा चुके और कभी-कभी हानिकारक साबित होने वाले स्टीरियोटाइपचित्रणों का ही सहारा लेते हैं। छह सौ से अधिक विज्ञापनों के एक विस्तृत अध्ययन ने कई समस्याग्रस्त चित्रणों का खुलासा किया- जैसे महिलाओं के खानपान की प्रक्रिया को सेंसुअल बनाना, वित्त संबंधी विज्ञापनों में महिलाओं को खर्च करने वाले व्यक्ति के रूप में दिखाना, जब घर के अन्य लोग मौज-मस्ती कर रहे हों तब महिलाओं को घर के कामों में जुटे हुए दिखाना, सौंदर्य विज्ञापनों में पुरुष द्वारा एकटक देखने को स्वीकृति देना, गैजेट के विज्ञापनों में टेक-हाइयार्की में महिलाओं को नीचे रखना, पुरुषहस्तियों द्वारा महिलाओं को चुनौती और निर्देश देना और कई अन्य चित्रण।

अध्ययन में जीवन के विभिन्न चरणों में जी रहीं और विभिन्न स्तर के शहरों में रहने वाली महिलाओं का साक्षात्कार लिया गया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वे नहीं, बल्कि उनके क्षेत्र के अन्य लोग हैं जो सोच में उनसे पीछे हैं, और उन्हें सशक्तिकरण की आवश्यकता है। उन्हें लगता है कि इस प्रयास में विज्ञापन उनके सहयोगी हो सकते हैं। अध्ययन में पाया गया कि युवा अविवाहित महिलाओं के लिए, विज्ञापन में इस्तेमाल की जाने वाली सामान्य रूढ़ियाँ बिल्कुल भी सही नहीं हैं, जैसे कि महिलाएं खुशी-खुशी काम का बोझ उठाती हैं।

एएससीआई के चेयरमैन सुभाष कामथ ने कहा कि 'जेंडरनेक्स्ट स्टेकहोल्डर्स यानी ब्रांड मालिकों, मार्केटर्स, विज्ञापन प्रोफेशनल्स - के लिए एक गाइड के रूप में कार्य करता है, ताकि विज्ञापन में महिलाओं के अधिक प्रगतिशील चित्रण में सहायता मिल सके। फ्यूचरब्रांड्स कंसल्टिंग के एमडी, संतोष देसाई ने कहाकि 'लोकप्रिय संस्कृति के एक असरदार फॉर्म के तौर पर, विज्ञापन ऐतिहासिक रूप से जेंडर संबंधी स्टीरियोटाइप के प्रचार का महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। अब चीजें बदल रही हैं, और एएससीआई की पहल पर, फ्यूचरब्रांड्स द्वारा किए गए इस अध्ययन से पता चलता है कि जेंडर को तोड़-मरोड़ कर भेदभावपूर्ण तरीके से दर्शाया जाना जारी है।

ई-श्रम पोर्टल पर दो महीनों में 5 करोड़ से अधिक कामगारों का पंजीकरण

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सरकार ने मंगलवार को कहा कि दो महीनों में ई-श्रम पोर्टल पर 5 करोड़ से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है। यह असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों के बारे में पहला संगठित रूप से एकत्रित राष्ट्रीय आंकड़ा है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''दो महीनों में 5 करोड़ से अधिक कामगारों ने ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कराया है।'' विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले कामगारों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। इसमें निर्माण, परिधान, विनिर्माण, मत्स्य, खोमचे-रेहड़ी पटरी वाले, ठेका कर्मी, घरों में काम करने वाले, कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से जुड़े तथा परिवहन क्षेत्र में काम करने वाले कामगार शामिल हैं। इन क्षेत्रों में से कुछ में काफी संख्या में प्रवासी कामगार जुड़े हैं। बयान में कहा गया है कि देश में रोजगार सृजन में कृषि और निर्माण क्षेत्रों की हिस्सेदारी को देखते हुए सर्वाधिक संख्या में इन्हीं क्षेत्रों के कामगारों ने पंजीकरण कराया है। आंकड़ों के अनुसार, पोर्टल पर पंजीकृत 5.72 करोड़ कामगारों में से 50.94 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं और 49.55 प्रतिशत पुरुष हैं।

News यू केन USE

आयकर विभाग ने अपने पोर्टल पर कर ऑडिट उपयोगिता फार्म को सक्षम किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

आयकर विभाग ने अपने पोर्टल पर वित्त वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिए कर ऑडिट उपयोगिता फार्म को सक्षम किया है। यदि वित्त वर्ष 2020-21 (आकलन वर्ष 2021-22) में व्यापार की बिक्री, टर्नओवर या सकल प्राप्तियां 10 करोड़ रुपये से अधिक हैं, तो आयकर कानून के तहत करदाताओं को अपने खातों का ऑडिट करवाना जरूरी है। पेशेवरों के मामले में यह सीमा 50 लाख रुपये है। वित्त वर्ष 2019-20 के लिए यह सीमा क्रमशः पांच करोड़ रुपये और 50 लाख रुपये है। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए कर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तारीख 15 जनवरी 2022 है। वित्त वर्ष 2019-20 के लिए इसे 15 जनवरी 2021 तक दाखिल करना था, हालांकि कंपनियां अभी भी संशोधित कर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल कर सकती हैं।

सीएससी को पुराने वाहनों की बिक्री पर एनओसी जारी करने की अनुमति मिली

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार द्वारा संचलित सीएससी ई-गवर्नेंस इंडिया लिमिटेड (सीएससी एसपीवी) ने रविवार को कहा कि उसे पुराने वाहनों की बिक्री के लिए 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' (एनओसी) जारी करने को लेकर अधिकृत किया गया है। सीएससी ने इस सुविधा को पूरे भारत में उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के साथ समझौता किया है। यह सेवा देश में चार लाख सीएससी फ्रेंचाइजी में उपलब्ध होगी। सीएससी एसपीवी की तरफ से जारी एक बयान के अनुसार केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने एनसीआरबी के निदेशक रामफल पवार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस सेवा की शुरुआत की। बयान में कहा कि इस सुविधा से नागरिकों को निकटतम सीएससी केंद्र से एनओसी प्राप्त करने में मदद मिलेगी। सीएससी इस सुविधा के बारे में लोगों के बीच जागरूकता भी पैदा करेगा।

कर्मियों को जियो-टेक्सटाइल के इस्तेमाल का प्रशिक्षण देने के लिए पायलट परियोजना को मंजूरी

नयी दिल्ली। एजेंसी

कपड़ा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उसने सड़कों, राजमार्गों, रेलवे और जल संसाधनों सहित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में जियो-टेक्सटाइल के इस्तेमाल के लिए कर्मियों को प्रशिक्षित करने को एक पायलट परियोजना को मंजूरी दे दी है। जियो-टेक्सटाइल एक तरह का फ्रैबिक होता है जिसे मिट्टी के मिलाकर इस्तेमाल करने पर एक मजबूत फ्रैबिक का निर्माण होता है। इसे आमतौर पर पॉलीप्रोपीलिन या पॉलिस्टर से बनाया जाता है। परियोजना का संचालन भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलोर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की समानांतर रूप से करेंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'इंजीनियरिंग के संबंधित क्षेत्रों के समन्वयक शिक्षक इन संस्थानों के अन्य संबंधित केंद्रों/कार्यालयों के परामर्श से विशेष पाठ्यक्रमों के कार्यान्वयन की देखरेख करेंगे।'

ये दिवाली खूब सारे दीये वाली

जानिए 15 तरह के शुभ दीपक

हर दीप से मिलता है एक खास लाभ

दीपावली पर अकसर चारों ओर दीपक जलाए जाते हैं, हालांकि सभी घरों में दीपावली के अलावा प्रतिदिन पूजाघर में दीपक जलाए जाने का प्रचलन है। दीपक जलाना बहुत ही शुभ होता है। कहते हैं कि इसको जलाने के कई तरह के कष्ट दूर होते हैं। आओ जानते हैं दीपक के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां।

दीपक कई प्रकार के होते हैं, जैसे चांदी के दीपक, मिट्टी के दीपक, लोहे के दीपक, ताम्बे के दीपक, पीतल की धातु से बने हुए दीपक, कांसे का दीपक तथा आटे से बनाए हुए दीपक। दीपावली पर मिट्टी के दीपक ही जलाने का महत्व है। मिट्टी के दीपक अधिक शुभ होते हैं। आओ जानते हैं कि कौन-सा दीप किस हेतु जलाया जाता है?

1. आटे का दीपक

किसी भी प्रकार की साधना या सिद्धि हेतु आटे का दीपक बनाते हैं और इसे ही पूजा करने के लिए सबसे उत्तम मानते हैं।

2. घी का दीपक

आर्थिक तंगी से मुक्ति पाने के लिए रोजाना घर के देवालय में शुद्ध घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे देवी-देवता भी प्रसन्न होते हैं। आश्रम तथा देवालय में अखंड ज्योत जलाने के लिए भी शुद्ध गाय के घी का या तिल के तेल का उपयोग किया जाता है।

3. सरसों के तेल का दीपक

शत्रुओं से बचने के लिए भैरवजी के यहां सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। सूर्यदेव को प्रसन्न करने के लिए भी सरसों का दीपक जलाते हैं।

4. तिल के तेल का दीपक

शनि ग्रह की आपदा से मुक्ति हेतु तिल के तेल का दीपक जलाना चाहिए। इससे देवी-देवता भी प्रसन्न होते हैं।

5. महूए के तेल का दीपक

पति की लंबी आयु की मनोकामना को पूर्ण करने के लिए घर के मंदिर में महुए के तेल का दीपक जलाना चाहिए।

6. अलसी के तेल का दीपक

राहु और केतु ग्रहों की दशा को शांत करने के लिए अलसी के तेल का दीपक जलाना चाहिए।

7. चमेली के तेल से भरा तिकोना दीपक

संकटहरण हनुमानजी की पूजा करने के लिए तथा उनकी कृपा आप पर सदैव बनी रहे, इसके लिए तीन कोनों वाला दीपक जलाना चाहिए।

8. तीन बत्तियों वाला घी का दीपक

गणेश भगवान की कृपा पाने के लिए रोजाना तीन बत्तियों वाला घी का दीपक जलाना चाहिए।

9. चार मुख वाला सरसों के तेल का दीपक

भैरव देवता को प्रसन्न करने के लिए चार मुख वाला सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। इस उपाय को करने से व्यक्ति के जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

10. पांच मुखी दीपक

किसी केस या मुकदमे को जीतने के लिए भगवान के आगे पांच मुखी दीपक जलाना चाहिए। इससे कार्तिकेय भगवान प्रसन्न होते हैं।

11. सात मुखी दीपक

माता लक्ष्मी की कृपा हमेशा घर पर बनी रहे, इसके लिए हमें उनके समक्ष सात मुख वाला दीपक जलाना चाहिए। दीपावली पर यह कार्य अवश्य कीजिए।

12. आठ या बारह मुख वाला दीपक

शिव भगवान को प्रसन्न करने के लिए घी या सरसों के तेल का आठ या बारह मुख वाला दीपक जलाना चाहिए।

13. सोलह बत्तियों का दीपक

विष्णु भगवान को प्रसन्न करने के लिए इनके समक्ष रोजाना सोलह बत्तियों का दीपक जलाना चाहिए। दशावतार की पूजा हेतु दशमुख वाला दीपक जलाएं।

14. गहरा और गोल दीपक

ईष्ट सिद्धि के लिए या ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक गहरा और गोल दीपक प्रज्वलित करें।

15. मध्य से ऊपर की ओर उठा हुआ दीपक

शत्रुओं से बचने या किसी भी आपत्ति के निवारण के लिए मध्य से ऊपर की ओर उठे हुए दीपक का प्रयोग जलाने के लिए करना चाहिए।

इस धनतेरस धनलक्ष्मी को रोक लें अपने आंगन में

जानिए 10 शुभ उपाय, सुख समृद्धि के लिए अवश्य आजमाएं

धनतेरस पर आर्थिक तंगी दूर करने और धन-समृद्धि बढ़ाने के लिए कई तरह के सरल उपाय किए जाते हैं। इस दिन भगवान धन्वंतरि, कुबेर, यमराज, गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा होती है। इसके साथ ही गाय और गाय कुल के मवेशियों की पूजा भी की जाती है। गायों को देवी लक्ष्मी के अवतार के रूप में मानते हैं इसलिए वहां के लोग गाय का विशेष सम्मान और आदर करते हैं। आओ जानते हैं धन तेरस के सरल 10 शुभ उपाय।

1. चावल के दाने और दक्षिणावर्ती शंख के उपाय : इस दिन साबूत चावल के 21 दाने लें और उनकी पूजा करके उन्हें लाल कपड़े में बांधकर घर की तिजोरी में रख लें। इससे धन की तंगी दूर हो जाएगी। धनतेरस की पूजा से पहले एवं बाद में दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर घर में चारों तरफ थोड़ा-थोड़ा छिड़कें। इससे घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है।

2. 13 दीपक : धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त घर में दीपदान किया जाता है। धनतेरस की शाम को मुख्य द्वार पर 13 और घर के अंदर भी 13 दीप जलाने होते हैं। इसके अलावा चाहें तो यह भी कर सकते हैं कि इस दिन 13 दीपक जलाएं और घर के सभी कोने में रख दें। आधी रात के बाद सभी दीपकों के पास एक एक पीली कौड़ियां रख दें। बाद में इन कौड़ियों को जमीन में गाड़ देते हैं। ऐसा करने से आपके जीवन में अचानक से धनवृद्धि होगी।

3. सोने से पूर्व दीपक जलाएं : परिवार के सभी सदस्यों के घर आने और खाने-पीने के बाद सोते समय एक पुराने दीपक में सरसों का तेल डालकर उसे जलाया जाता है। फिर उसे घर में सभी जगह घुमाया जाता है और इसके बाद यह दीपक घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर नाली या कूड़े के ढेर के पास रख दिया जाता है। इसके बाद जल चढ़ा कर दीपदान करते समय यह मंत्र बोला जाता है-

मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यया सह।

त्रयोदश्यां दीपदानात्सूर्यजः प्रीतयामिति॥

4. खरीदें धनिया : धन तेरस के दिन सोना खरीदने का प्रचलन है। सोना नहीं खरीद सकते हैं तो पीतल का बर्तन खरीदें। यह दोनों वस्तुएं नहीं खरीद सकते हैं तो धनिया खरीदें। खासकर धनिया खरीदकर उस माता लक्ष्मी को अर्पित करना बहुत ही शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से धन का नुकसान नहीं होता है।

5. कौड़ियां : धन समृद्धि बढ़ाने के लिए कौड़ियां खरीदकर उसकी पूजा करते हैं और उसे तिजोरी में रखते हैं। कौड़ीयां खरीदें और यदि वे पीली ना हो तो उन्हें हल्दी के घोल में पीला कर लें। बाद में इनकी पूजा कर अपनी तिजोरी में रखें।

6. हल्दी की गांठ : इस दिन कुछ खड़ी हल्दी खरीदना भी शुभ है। शुभ मुहूर्त देखकर बाजार से गांठ वाली पीली हल्दी अथवा काली हल्दी को घर लाएं। इस हल्दी को कोरे कपड़े पर रखकर स्थापित करें तथा षडोशपचार से पूजन करें। यह भी धन समृद्धि को बढ़ाने वाला उपाय है।

7. खीर बताशे करें दान : धनतेरस के दिन यदि आप चीनी, बताशा, खीर, चावल, सफेद कपड़ा आदि अन्य सफेद वस्तुएं दान करते हैं, तो आपको धन की कमी नहीं होगी। जमा पूंजी बढ़ने के साथ ही कार्यों में आ रहीं बाधाएं भी दूर होंगी। इस दिन यदि आपके दरवाजे पर कोई भिखारी, जमादार या गरीब व्यक्ति आए, तो उसे खाली हाथ न भेजें। आप कुछ न कुछ उसे जरूर दें। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और आपको समृद्धि का आशीष देती हैं। इससे आपको हर कार्य में अपार सफलता भी मिलेगी।

8. केले का पौधा लगाएं : इस दिन आप किसी मंदिर या उचित स्थान पर जाकर केले का पौधा या कोई सुगंधित पौधा लगाएं। जैसे-जैसे ये हरे भरे और बड़े होंगे, आपके जीवन में भी समृद्धि और सफलताएं बढ़ेंगी।

9. झाड़ू खरीदें : धन तेरस पर नई झाड़ू खरीदकर उसकी पूजा की जाती है। घर में नई झाड़ू लाने के अलावा आप किसी मंदिर में या किसी सफाईकर्मी को अच्छी वाली झाड़ू खरीदकर दान कर सकते हैं। इससे लक्ष्मी माता आप पर प्रसन्न होंगी। ऐसी मान्यता है कि झाड़ू घर से दरिद्रता हटाती है और इससे दरिद्रता का नाश होता है। धनतेरस के दिन घर में नई झाड़ू लाने के बाद इस पर एक सफेद रंग का धागा बांध देना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और घर की आर्थिक स्थिति सुधर जाती है।

10. लौंग के उपाय : यदि आपके पास धन नहीं टिकता है, तो इस धनतेरस से दीपावली के दिन तक आप मां लक्ष्मी को पूजा के दौरान एक जोड़ा लौंग चढ़ाएं।

दीपावली पर 4 ग्रहों का शुभ संयोग, जानें दीपावली का शुभ मुहूर्त

हर वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को दीपावली पर्व मनाया जाता है। इस साल गुरुवार 4 नवंबर 2021 को दीपावली पर्व मनाया जाएगा। हर साल नवरात्रि समाप्त होते ही दिवाली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। दीपावली पर देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। परिवार के सदस्यों के लिए धन, सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की जाती है।

इसलिए शुभ है इस बार की दीपावली

ज्योतिष के अनुसार दीपावली पर एक ही राशि में 4 ग्रहों की उपस्थिति के कारण दीपावली पर दुर्लभ संयोग निर्मित हो रहा है। ग्रहों की यह युति बहुत ही शुभ मानी जाती है, जो लोग इस दिन देवी लक्ष्मी और प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा करते हैं, उन्हें विशेष लाभ प्राप्त होगा।

चार ग्रहों के कारण शुभ फल की होगी प्राप्ति

ज्योतिषाचार्य और पंडित कौशल मिश्रा ने बताया कि कार्तिक मास की अमावस्या के दिन दिवाली मनाई जाएगी। इस बात चार ग्रह एक ही राशि में होने के कारण विशेष शुभ संयोग बन रहा है। दीपावली पर सूर्य, बुध, मंगल और चंद्रमा ये चारों ग्रह तुला राशि में रहेंगे। ग्रहों की यह स्थिति काफी दुर्लभ और शुभ मानी जाती है। तुला राशि का स्वामी शुक्र है और लक्ष्मी जी की पूजा करने से शुक्र अधिक शुभ फल देता है। शुक्र ग्रह धन और भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक ग्रह है। ऐसे में ग्रहों के राजा सूर्य, बुध ग्रह के राजकुमार, ग्रहों के सेनापति मंगल और चंद्रमा मन के कारक हैं।

इस साल दीपावली पर शुभ मुहूर्त

दीपावली - 4 नवंबर 2021, दिन गुरुवार
दीपावली लक्ष्मी पूजा मुहूर्तः शाम 6:09 बजे से रात 8:20 बजे तक
अमावस्या तिथि शुरूः 04 नवंबर 2021 सुबह 06:03 बजे
अमावस्या तिथि समाप्तः 05 नवंबर 2021 सुबह 02:44 बजे तक

इस दीपावली पर बन रहा है दुर्लभ संयोग

ये चीजें खरीदना होगा फायदेमंद और यहां करें निवेश

इस दिवाली पर और इसे पूर्व बहुत ही दुर्लभ संयोग बन रहे हैं। एक और जहां 677 वर्षों के बाद गुरु पुष्य नक्षत्र वाले दिन शुभ संयोग बना है जबकि उस दिन गुरु और शनि की मकर में युति है। दूसरी ओर वहीं दीपावली के दिन चार ग्रहों का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस दिन खरीदी के शुभ संयोग बन रहे हैं।

चार ग्रहों की युति : हिन्दू पंचांग के अनुसार 4 नवंबर 2021, गुरुवार के दिन कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या के दिन दिवाली के समय चंद्र, मंगल, सूर्य और बुध तुला में रहेंगे। शनि और गुरु मकर में पहले से ही विराजमान हैं। शुक्र ग्रह धनु में और राहु ग्रह वृषभ में रहेंगे। लग्न तुला का बन रहा है। माना जा रहा है कि तुला राशि में इन चारों ग्रहों के रहने से शुभ परिणाम देखने को मिलेंगे। सूर्य को ग्रहों का राजा, मंगल को ग्रहों का सेनापति, बुध को ग्रहों का राजकुमार और चंद्रमा को मन का कारक माना गया है।

ये खरीदना होगा शुभ : मिट्टी की सुराही, पीतल या तांबे का कछुआ, लक्ष्मी कुबेर की तस्वीर, कौड़ियां, हल्दी की गांठ, चांदी के सिक्के, पीतल के बर्तन, पीली मिठाई, इलेक्ट्रिक आइटम, लाल और चमकीले रंग के कपड़े, सोना आदि खरीदना शुभ होता है। इसे साथ ही वाहन और मकारन भी खरीदने के लिए किसी पंडित की सलाह ले सकते हैं।

यहां करें निवेश : सोना, बीमा पॉलिसी, लोहा, सीमेंट, ऑयल कंपनी, कपड़ा, लकड़ी और इलेक्ट्रानिक्स, सॉफ्टवेयर कंपनी, फॉर्मा कंपनी, संचार क्षेत्र अदि क्षेत्रों में निवेश कर सकते हैं।

मिलों ने 2021-22 सत्र में अबतक 18 लाख टन चीनी निर्यात के लिए अनुबंध किए : सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को कहा कि चीनी मिलों ने इस महीने से शुरू होने वाले विपणन वर्ष 2021-22 में अब तक 18 लाख टन चीनी निर्यात का अनुबंध किया है तथा चीनी उद्योग की कंपनियों को अधिशेष स्टॉक को समाप्त करने के लिए कम से कम 60 लाख टन का निर्यात करने को कहा गया है। चीनी मिलों को नए निर्यात गंतव्यों का पता लगाने के लिए कहा गया है, क्योंकि अफगानिस्तान में घरेलू अस्थिरता के कारण वहां निर्यात प्रभावित हो सकता है। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) द्वारा आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने कहा कि भारत पिछले चार विपणन वर्षों से अधिशेष चीनी का उत्पादन कर रहा है, जबकि पिछले साल देशव्यापी लॉकडाउन की वजह से होटल और रेस्तरां बंद होने के कारण खपत में गिरावट आई है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार की नीति ने चीनी क्षेत्र को भारतीय बाजार और विदेशों में अपनी स्थिति को फिर से परिभाषित करने में मदद की है। पांडेय ने कहा कि भारत ने विपणन वर्ष 2020-21 (अक्टूबर-सितंबर) में विभिन्न देशों को 72 लाख टन चीनी का रिकॉर्ड निर्यात किया। उन्होंने कहा कि कुल निर्यात में से लगभग 50 प्रतिशत का निर्यात श्रीलंका, इंडोनेशिया और अफगानिस्तान को किया गया। पांडेये ने कहा, ''हम सभी निर्यात के लिए नए अवसरों की तलाश कर रहे हैं। निर्यात के लगभग 18 लाख टन के अनुबंधों का क्रियान्वयन किया गया है।'' सचिव ने कहा कि भारत को विपणन वर्ष 2021-22 में इंडोनेशिया को अपनी चीनी निर्यात करने में थाइलैंड से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, ''अफगानिस्तान में अस्थिरता वहां होने वाले निर्यात को प्रभावित कर सकती है।'' उन्होंने कहा कि श्रीलंका भी विदेशी मुद्रा की कमी का सामना कर रहा है। पांडेय ने सुझाव दिया कि उद्योग को एक नई व्यवस्था करनी पड़ सकती है ताकि वह श्रीलंका को चीनी निर्यात कर सके। अधिशेष स्टॉक से निपटने के लिए, सचिव ने कहा कि लगभग 25 लाख टन चीनी को पेट्रोल के साथ मिश्रित किये जाने वाले एथनॉल के विनिर्माण के लिए हस्तांतरित किया जाए। पांडेय ने कहा कि वर्ष 2023 तक, 60 लाख टन चीनी का इस्तेमाल एथनॉल के लिए किए जाने का लक्ष्य है। कोविड महामारी, जलवायु परिवर्तन और तनावों को प्रमुख चुनौतियां बताते हुए, सचिव ने कहा कि सस्ती दरों पर चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। पांडेय ने आश्वासन दिया, ''सरकार इस क्षेत्र का समर्थन जारी रखेगी ताकि यह क्षेत्र अपनी लाभप्रदता बनाए रखे।''

श्रीराम सुपर 111 और 1-SR-14

गेहूं बीज मध्यप्रदेश के किसानो को दे रहा है बेहतर उत्पादकता

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मध्यप्रदेश के किसानों ने बताया कि डीसीएम श्रीराम लिमिटेड की युनिट श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स की और से पेश किए गए श्रीराम सुपर 111 और 1-SR-14 गेहूं बीज से उनकी उत्पादकता बढ़ती है। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने किसानों की फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक एवं अनुसंधान-उन्मुख प्रोडक्ट्स विकसित किए हैं। कई वर्षों से श्रीराम सुपर 111 गेहूं बीज मध्य प्रदेश के किसानों में बेहद लोकप्रिय हैं। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए पिछले वर्ष एक और उत्तम किस्म श्रीराम सुपर 1 – SR - 14 को उपलब्ध कराया गया जो किसानों की पहली पसंद बन रही है। श्रीराम फ़र्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा इन किस्मों को तैयार किया गया है।

श्रीराम सुपर 111 और 1-ऐं-14 गेहू बीज इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता

के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। इनका दाना मोटा और चमकदार है, इनसे चारा भी ज्यादा मिलता है साथ ही इनकी गेहूं से बनी चपाती बहुत अच्छी गुणवत्ता की होती है। अपनी इन्हीं विशेषताओं के चलते ये दोनों किस्में मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के किसानों की पहली पसंद बन गई हैं।

नरसिंहपुर से किसान गुरेन सिंह ने श्रीराम सुपर 111 गेहूं बीज की बुवाई की थी और वे इसके बेहतर परिणाम से काफी प्रभावित हुए हैं। उनका कहना है कि जहां अन्य किस्म में प्रति बाली 55-60 दाने प्राप्त हुए थे, वहीं श्रीराम सुपर 111 की प्रति बाली में 80-100 दाने पाए गए। गुरेन सिंह उपज के अंतर की बात करते हुए कहते हैं कि उन्हें श्रीराम सुपर 111 में 22-25 क्विंटल प्रति एकड़ उपज़ मिली है वहीं अन्य किस्म में 18-20 क्विंटल प्रति एकड़ ही उत्पादन मिला है। अगले साल वो अपनी पूरी ज़मीन पर श्रीराम सुपर 111 बीज ही लगाएंगे। साथ ही साथ श्रीराम द्वारा बाजार में लायी गई नई किस्म श्रीराम सुपर 1- SR-14 से किसान बहुत खुश हैं व उत्तम परिणाम पा रहे हैं। रेवा से अनुभवी किसान पुरूषोत्तम सिंह ने पिछले साल अपने खेत में श्रीराम सुपर 1-SR-14 गेहू बीज की बुवाई की थी। उनका कहना है कि इसमें कल्लों की संख्या अधिक और बालियों की लम्बाई काफी ज्यादा है। साथ ही साथ उन्हें प्रति बाली दानों की संख्या 60-65 प्राप्त हुई। वे अन्य किसानों को भी श्रीराम सुपर 1-SR-14 लगाने की सलाह देते हैं। श्रीराम सुपर 111 और 1-SR-14 गेहूं बीज के साथ-साथ, श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स के अन्य प्रोडक्ट जैसे श्रीराम सुपर 252 और श्रीराम सुपर 303 भी पिछले कुछ सालों से अपनी शानदार परफोर्मेन्स के चलते किसानों में बेहद लोकप्रिय हो गए हैं। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स 131 वर्ष पुराने डीसीएम श्रीराम लिमिटेड की एक ईकाई है। एक अग्रणी बिजनेस ग्रुप जिसका टर्नओवर 7767 करोड है। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स एग्री-इनपुट जैसे बीज, स्पेशलटी न्यूट्रिशन एवं फसल संरक्षण श्रेणियों के कारोबार में सक्रिय है।

भारत में अधिकांश संपन्न व्यक्तियों ने महामारी के बाद नए लक्ष्य निर्धारित किए हैं: सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। एजेंसी

स्टैंडर्ड चार्टर्ड के एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत में अधिकांश संपन्न व्यक्तियों ने महामारी के बाद अपने जीवन के लक्ष्यों को फिर से निर्धारित किया है। हालांकि, कोरोना वायरस महामारी के कारण आत्मविश्वास की कमी उन्हें अपने नए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाने से रोक रही है। 'वेल्थ एक्सपेक्टेंसी रिपोर्ट-2021' के अनुसार, भारत में 94 प्रतिशत लोगों ने अपने जीवन लक्ष्यों को महामारी के बाद फिर से निर्धारित किया है और 48 प्रतिशत ने कहा कि कोविड-19 की वजह से उनका अपने वित्त को लेकर भरोसा कम हुआ है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड की ओर से, पोर्टलैंड कम्युनिकेशंस ने 30 जून से 26 जुलाई, 2021 के बीच 12 बाजारों में 15,649 उभरते, संपन्न और उच्च संपदा (एचएनडब्ल्यू) वाले लोगों का 20 मिनट का ऑनलाइन सर्वेक्षण किया। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, भारत के प्रबंध निदेशक और संपदा प्रमुख सम्राट खोसला ने कहा, ''रिपोर्ट से पता इनमें से करीब आधे लोगों का पिछले वर्ष इससे संबंधित कुछ कार्य करने के बावजूद अपने वित्त के प्रति भरोसा कम हुआ है। पेशेवर मदद से उपभोक्ताओं को इस भरोसे की कमी को दूर करने में मदद मिल सकती है।'' रिपोर्ट के अनुसार, महामारी ने भारत में संपन्न लोगों को अपनी प्राथमिकताओं को फिर से निर्धारित करते समय अधिक भविष्य-केंद्रित बनने के लिए प्रेरित किया है।

ऑरा ने इस त्योहारी सीजन में की आकर्षक ऑफर्स की पेशकश

ऑरा ने त्यौहार के इस मौसम के लिये बेहतरीन सेल्स, ऑफर्स और नये लॉन्च की घोषणा की

जैसे-जैसे त्यौहार का मौसम करीब आ रहा है, भारत के प्रमुख और भरोसेमंद, डायमंड ज्वैलरी ब्रांड ऑरा ने आपके त्यौहार की रौनक को और बढ़ाने के लिये शानदार दिवाली ऑफर्स की घोषणा की है। उन्होंने उत्सव और तोहफे देने की परंपरा को और भी रोशन कर दिया है। इन बेहतरीन नये कलेक्शन के साथ ऑरा की ओर से सदाबहार और खूबसूरत डायमंड ज्वैलरी का मेल आपके त्यौहार के उत्साह को और बढ़ायेगा। चमचमाते दीये, स्वादिष्ट मिठाइयाँ, खूबसूरत रंगोलियों और बेहतरीन सजावट के साथ-साथ ऑरा की ओर से शानदार डायमंड ज्वैलरी से त्यौहार के मौसम की रंगत खिल उठेगी।

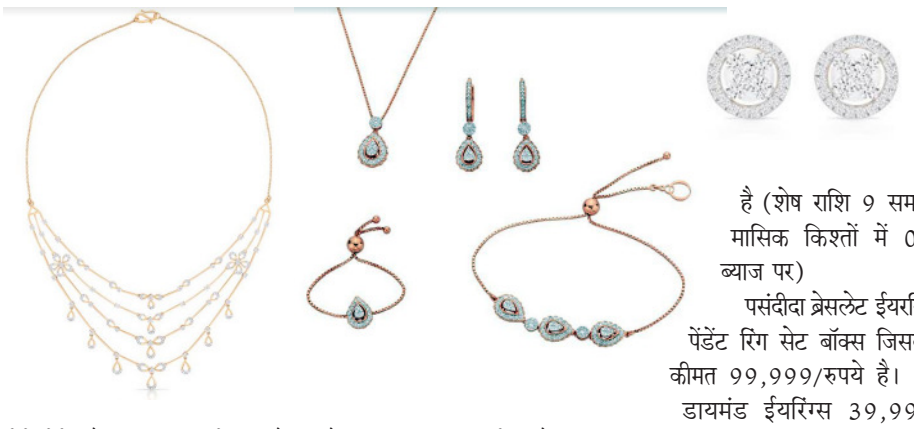

अपनों के लिये तोहफों का चुनाव करना त्यौहारों का एक जरूरी हिस्सा है, क्योंकि हम अपने संबंधों को संजोने और मजबूत करने के लिये सोच-समझकर चुनकर तोहफे लेते-देते हैं। आभूषण प्रेम और समृद्धि का परम प्रतीक है, यह बड़े और छोटे सभी पलों का सच्चा उत्सव है। ऑरा ने इन उत्तम और खास डायमंड ज्वैलरी पीसेस को तैयार किया है, जो आपके दिल में एक विशेष स्थान रखने वालों के लिये एक शुभ उपहार बन जायेगा।

ऑरा धनतेरस के लिये खास पीस पेश करके अपने ग्राहकों के साथ त्यौहार का जश्न मना रहा है, ताकि आप पूरे मौसम में जगमगाते रहें। इसे शानदार 14 कैरेट रोज़ गोल्ड से तैयार किया गया है। ऑरा के नये पीस और ऑफर के साथ उत्सव में शामिल होने के लिये चमचमाते गहनों के साथ उत्सव मनायें।

ऑरा ने 99,999/- रुपये में अपना स्टार एस्ट्रा हार लॉन्च किया। ऑरा की ईएमआई सुविधा के साथ मात्र 9,999 रुपये में भी उपलब्ध है (शेष राशि 9 समान मासिक किश्तों में 0% ब्याज पर)

पसंदीदा ब्रेसलेट ईयररिंग पेंडेंट रिंग सेट बॉक्स जिसकी कीमत 99,999/रुपये है।

डायमंड ईयरिंग्स 39,999 रुपये की विशेष कीमत पर

ऑरा ने हाल ही में मशहूर फैशन डिजाइनर फाल्गुनी शेन पीकॉक के साथ मिलकर अपनी पहली डिजाइनर ब्राइडल ज्वैलरी लाइन पेश की। फाल्गुनी शेन पीकॉक के शानदार और अद्भुत डिजाइन की खूबसूरती के साथ ऑरा के डायमंड ज्वैलरी की परंपरा के मेल ने छह हारों के साथ ईयरिंग्स की जोड़ियों के संग्रह में बदल दिया। संग्रह को बेहतरीन क्राउन स्टार डायमंड्स के साथ बनाया गया है, जो सबसे बेहतरीन ब्राइडल ज्वैलरी में एक रहस्यमयी आकर्षण शामिल करता है, जिसे संभवतः कोई अपना बना सकता है! नई पेशकशों के अलावा, ऑरा एकमात्र ज्वैलरी ब्रांड है, जो ईएमआई की सुविधा पर 0ङ्ग ब्याजङ्ग प्रदान करता है। यह ब्रांड सोने, हीरे और सॉलिटेयर के साथ-साथ सोने के सिक्कों और सोने और चांदी के बार्स के लिये रोमांचक ऑफर भी लाया है।

डायमंड ज्वैलरी पर ऑफर्स:

2 लाख तक के उत्पादों पर 10% की छूट

2 से 5 लाख के बीच के उत्पादों पर 15% की छूट

5 लाख से ऊपर के उत्पादों पर 20% की छूट।

यह ब्रांड सीजन के लिये अपने वैल्यू पिक अप को फ्लैट 25% की छूट पर भी पेश करेगा। इसके अलावा, सभी सोने के गहनों पर मेकिंग चार्ज पर 25% की छूट और सोने के सिक्कों और बार पर मेकिंग चार्ज पर 50ङ्ग की छूट होगी। चाँदी के बार्स पर फ्लैट 50% के छूट की पेशकश की जायेगी। ऑरा के मशहूर सॉलिटरीज की एमआरपी पर फ्लैट 1% की छूट दी जा रही है। अपने विचार रखते हुए, दीपू मेहता, मैनेजिंग डायरेक्टर, ऑरा इंडिया ने कहा, 'कई लोगों के लिये पिछले साल की तुलना में यह साल मुश्किल रहा और लोगों को त्यौहार के मौसम का इंतजार था। दिवाली के करीब आने के साथ, हम खरीदारी के अनुभव को और भी मजेदार बनाना चाहते हैं। साथ ही हम चाहते हैं कि अपने फेस्टिव ऑफर्स के साथ, हर किसी की पहुँच में इसे लायें। ये ऑफर्स भारत के रिटेल स्टोर्स और ऑनलाइन https://www.orra.co.in, पर 7 नवंबर तक वैध हैं।

देश में साइबर सुरक्षा के लिये कोई 'जवाबदेह' केंद्रीय संगठन नहीं: पंत

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश में कई साइबर सुरक्षा संगठन हैं लेकिन ऑनलाइन क्षेत्र में सुरक्षा के लिए कोई जवाबदेह केंद्रीय निकाय नहीं है। राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक (एनसीएससी) राजेश पंत ने मंगलवार को यह कहा। उन्होंने यह भी कहा कि प्रस्तावित राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति सुरक्षा व्यवस्था के तहत इस अंतर को दूर करेगी। पंत ने कहा कि भारत में उत्कृष्ट संगठन हैं और पिछले एक साल में देश में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में 'शानदार' बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा, "कुल मिलाकर एक व्यवस्था मौजूद है लेकिन संचालन से जुड़े नियमों को लागू करने को लेकर आज कोई शीर्ष केंद्रीय संगठन नहीं है। ऐसा कोई मंत्रालय या संगठन नहीं है जिसके लिए यह कहा जा सके कि आप देश की साइबर सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं।" माइक्रोसॉफ्ट के 'ऑनलाइन' साइबर सुरक्षा वार्ता कार्यक्रम में पंत ने कहा, "यह पहली चीज है जिससे हमें निपटना है और यह रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।" उन्होंने कहा कि सरकार 2013 में विकसित साइबर सुरक्षा व्यवस्था पर काम कर रही है। पंत ने कहा, "अब हमें साइबर सुरक्षा रणनीति की जरूरत है। यह अंतिम मंजूरी के लिये मंत्रिमंडल के पास है। हमें संचालन के स्तर पर ढांचे की जरूरत है। अगर आज आप विभिन्न मंत्रालयों के अंतर्गत काम करने के अपने तरीकों को देखें, हमने अच्छे संगठन प्राप्त किये हैं।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त, 2020 को घोषणा की थी कि देश में एक नई साइबर सुरक्षा रणनीति पेश की जाएगी, क्योंकि आने वाले वर्षों में साइबर क्षेत्र पर निर्भरता कई गुना बढ़ने वाली है। आधिकारिक अनुमान के अनुसार, भारत को 2020 में साइबर हमलों से करीब 1.24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। पंत के अनुसार, महामारी के दौरान साइबर हमलों में 500 प्रतशत की वृद्धि हुई। इसका कारण डिजिटलीकरण को अपनाना है। भारत सबसे अधिक हमलों का सामना करने वाले देशों में से एक रहा है। उन्होंने कहा, "हमने पाया इन हमलों मे से 30 प्रतिशत से अधिक अमेरिका से हुए।"

एनपीपीए ने मुधमेह की 12 दवाओं की मूल्य सीमा तय की

नयी दिल्ली। एजेंसी

दवा मूल्य नियामक राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कहा कि उसने ग्लिमेपाइराइड टैबलेट, ग्लूकोज इंजेक्शन और इंटरमीडिएट एक्टिंग इंसुलिन सॉल्यूशन सहित 12 मधुमेह रोधी जेनेरिक दवाओं के लिए अधिकतम कीमतें तय कर दी हैं। दवा मूल्य नियामक ने ट्विटर पर लिखा, 'हर भारतीय के लिए मधुमेह जैसी बीमारियों के खिलाफ चिकित्सा उपचार को संभव बनाने के लिए एनपीपीए ने 12 मधुमेह रोधक जेनेरिक दवाओं की अधिकतम कीमतें तय करके एक सफल कदम उठाया है।' इन दवाओं में एक मिलीग्राम की ग्लिमेपाइराइड टैबलेट शामिल है, जिसकी अधिकतम कीमत 3.6 रुपये प्रति टैबलेट है, जबकि दो मिलीग्राम की अधिकतम कीमत 5.72 रुपये प्रति टैबलेट तय कर दी गयी है। 25 प्रतिशत स्ट्रेंथ वाले एक मिलीलीटर ग्लूकोज इंजेक्शन की अधिकतम कीमत 17 पैसे निर्धारित की गयी है, जबकि 40आईयू/मिलीलीटर के स्ट्रेंथ वाले एक मिलीलीटर इंसुलिन (घुलनशील) इंजेक्शन की कीमत 15.09 रुपये है।

आईएमएफ का भारत की वृद्धि को लेकर अनुमान 'अत्यधिक कम आकलन' : एन के सिंह

नयी दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा भारत के संभावित वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर छह प्रतिशत करना 'अत्याधिक कम अनुमान' है। 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन एन के सिंह ने मंगलवार को यह बात कही। आईएमएफ ने कोरोना वायरस महामारी की वजह से भारत की वृद्धि की संभावना को नीचे किया है। सिंह ने अध्ययन एवं औद्योगिक विकास संस्थान (आईएसआईडी) द्वारा 'विकास के लिए वित्तपोषण' विषय पर आयोजित 'ऑनलाइन' परिचर्चा को संबोधित करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि जो लोग अभी गरीबी से बचे हुए हैं, वे महामारी की वजह से दोबारा गरीबी में नहीं चले जाएं। उन्होंने कहा, "आईएमएफ ने पिछले सप्ताह हमारी मध्यम अवधि की वृद्धि की संभावना को 6.25 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत किया है। मेरा मानना है कि यह बहुत ज्यादा कम आकलन है।" उन्होंने कहा, "वृद्धि संभावना का आकलन हमेशा से समस्या रहा है।" आईएमएफ ने पिछले सप्ताह महामारी की वजह से भारत की वृद्धि की संभावना को घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत तथा 2022-23 में 8.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसकी वजह आधार प्रभाव और मजबूत वैश्विक वृद्धि है। संभावित वृद्धि से आशय वृद्धि की उस दर से है जो कोई अर्थव्यवस्था मध्यम अवधि में अत्यधिक मुद्रास्फीति सृजित किये बिना बनाये रख सकती है। सिंह ने भारत का कर अनुपात बढ़ाने की भी जरूरत बताई। उन्होंने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को एक बड़ा सुधार करार देते हुए कहा कि पिछले कुछ महीने के आंकड़े भी यही दर्शाते हैं। जीएसटी से राजस्व काफी उत्साहवर्द्धक रहा है।

जियोफोन नेक्स्ट 4जी स्मार्टफोन 30 करोड़ 2जी उपयोगकर्ताओं

क्षेत्रीय भाषा वाले लोगों को लक्षित करेगा

नयी दिल्ली। जियोफोन नेक्स्ट 4जी स्मार्टफोन की देश के करीब 30 करोड़ 2जी उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने की योजना है और इसके तहत इस फोन में खास सुविधा होगी जो अलग-अलग क्षेत्रीय भाषा के लोगों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने में सक्षम बनाएगी। जियो प्लेटफॉर्म्स और गूगल द्वारा मिलकर बनाया जा रहा जियोफोन नेक्स्ट स्मार्टफोन भारत में निर्मित स्मार्टफोन होगा और उसे दीवाली से पहले बाजार में उतारा जा सकता है। जियोफोन नेक्स्ट एक नये ऑपरेटिंग सिस्टम (ओएस) - प्रगति ओएस - से चलेगा जिसे संयुक्त रूप से जियो और गूगल द्वारा विकसित किया गया है।

दूरसंचार कंपनी ने सोमवार को जारी एक वीडियो में कहा कि प्रगति ओएस पहला ऐसा ऑपरेटिंग सिस्टम है जिसे भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए खास तौर पर बनाया गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने समूह की 44वीं वार्षिक आम बैठक में कहा था कि भारत को '2जी मुक्त' बनाने के लिए एक बेहद किफायती 4जी स्मार्टफोन जरूरी है। जियोफोन नेक्स्ट टच स्क्रीन वाला फोन होगा और यह स्मार्टफोन क्वालकॉम चिपसेट पर बनाया गया है। फोन एक भाषा-अनुवाद टूल का इस्तेमाल करेगा जिसकी मदद से भारत में क्षेत्रीय भाषा के लोगों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने में आसानी होगी। यह सेवा 10 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी। जियोफोन नेक्स्ट के उत्पाद प्रबंधन अधिकारी बिनिश परंगोदथ ने कहा, 'मुझे इस नए ओएस पर बहुत गर्व है। हम सभी को इस पर गर्व है। इसमें कुछ बेहतरीन नयी विशेषताएं हैं जिसमें अनुवाद की सुविधा सबसे अहम है। मैं एक भाषा में बोल सकता हूं, और फोन इसका दूसरी भाषा में अनुवाद करेगा।'

चालू वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर 9.5 प्रतिशत रहेगी : रिपोर्ट

मुंबई। एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2021-22 में 9.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। एक विदेशी ब्रोकरेज कंपनी की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। बीते वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। स्विस ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था और रफ्तार पकड़ेगी। हालांकि, अगले वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर घटकर 7.7 प्रतिशत रहेगी। सरकार ने बजट में चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। हालांकि, रिजर्व बैंक ने अपने वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है। महामारी से प्रभावित भारतीय अर्थव्यवस्था में बीते वित्त वर्ष में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। यूबीएस सिक्योरिटीज ने कहा कि दबी मांग और अनुकूल बाहरी मांग से दूसरी छमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार और तेज होगी। यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया के मुख्य अर्थशास्त्री तनवीर गुप्ता जैन ने सोमवार को रिपोर्ट में कहा, "हमारा अनुमान है कि 2021-22 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वास्तविक वृद्धि 9.5 प्रतिशत रहेगी। हालांकि, अगले वित्त वर्ष में वृद्धि दर घटकर 7.7 प्रतिशत रह जाएगी। हमारा अनुमान है कि दबी मांग, अनुकूल बाहरी मांग, टीकाकरण की वजह से दूसरी छमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था अधिक तेजी से आगे बढ़ेगी।"

बच्चे को बाइक पर बिठाकर ले जा रहे हैं? 40 kmph से ज्यादा नहीं होनी चाहिए स्पीड, सरकार का है प्रस्ताव

नई दिल्ली। एजेंसी

चार साल तक के बच्चे को मोटरसाइकिल पर पीछे बिठाकर ले जाते वक्त दोपहिया वाहन की गति 40 किमी प्रति घंटे से अधिक कतई नहीं होनी चाहिए। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने बाल यात्रियों के लिए सुरक्षा उपायों को लागू करने के उद्देश्य से यह प्रस्ताव दिया है। मंत्रालय ने एक मसौदा अधिसूचना (ड्राफ्ट नोटिफिकेशन) में यह भी प्रस्ताव दिया है कि टूव्हीलर चालक यह सुनिश्चित करेगा कि पीछे बैठने वाले नौ महीने से चार साल तक के बच्चे को क्रैश हेलमेट पहनाया गया हो। मंत्रालय द्वारा जारी ड्राफ्ट नोटिफिकेशन के अनुसार, "चार साल तक के बच्चे को ले जाते वक्त मोटरसाइकिल की गति 40 किमी प्रति घंटे से अधिक नहीं होनी चाहिए।" मंत्रालय ने आगे कहा कि मोटरसाइकिल का चालक यह सुनिश्चित करेगा कि चार साल से कम उम्र के बच्चों को अपने साथ बांधे रखने के लिए 'सेफ्टी हार्नेस' का इस्तेमाल किया जाए।

क्या है सुरक्षा हार्नेस

'सुरक्षा हार्नेस' बच्चे द्वारा पहना जाने वाला एक ऐसा जैकेट होता है, जिसके आकार में फेरबदल किया जा सकता है। उस सुरक्षा जैकेट से जुड़े फीते इस तरह लगे होते हैं कि उसे वाहन चालक भी अपने कंधों से जोड़ सके। मंत्रालय ने ड्राफ्ट नियमों पर आपत्ति और सुझाव भी मांगे हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।